पेपर का शीर्षक संक्षिप्त और सूचनाप्रद होना चाहिए। इसे शोध की सामग्री का स्पष्ट और संक्षिप्त वर्णन करते हुए लिखा जाना चाहिए।

(krutidev010 14, Bold)*

आदित्य कुमार [1*] & हर्ष सिंह [2] (krutidev010 12, Bold)*

1. हिन्दी विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, एमपी–470003, भारत।
2. समाजशास्त्र विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, एमपी–470003, भारत।

संवाददाता लेखक: aditiyakumar123@gmail.com (krutidev010 12, Bold)

सारांश *(krutidev010 12, Bold, Italic)**

*सारांश में परिणाम या निष्कर्ष को संक्षिप्त में बताया जाना चाहिए। उद्देश्य, विधियाँ, और प्रयोगात्मक डिज़ाइन लिखने की आवश्यकता नहीं है। सार 300 शब्दों से अधिक नहीं लिखा जाना चाहिए । (krutidev010 12, Italic)**

बीज शब्द : *वर्णमाला क्रम में 8–10 शब्दों या वाक्यांशों से अधिक नहीं होने चाहिए । (krutidev010 12, Italic)**

प्रस्तावना (krutidev010 12, Bold)*

पृष्ठभूमि की जानकारी, समस्या का विवरण या शोध निष्कर्ष, विस्तृत साहित्य सर्वेक्षण या परिणामों के सारांश से बचना। बताएं कि आप शोध समस्या की पहचान कैसे करते हैं एवं इसके साथ साथ शोध कार्य के उद्देश्य बताएं । (krutidev010 12)*

सामग्री और विधियाँ (यदि कोई हो) (krutidev010 12, Bold)*

इसमें शोध का समय और स्थान बताया जाना चाहिए। प्रयोगात्मक डिजाइन, उपचार, प्रतिकृति, और सांख्यिकीय विश्लेषण । (krutidev010 12)*

परिणाम (यदि कोई हो तो) (krutidev010 12, Bold)*

सांख्यिकीय विश्लेषण के साथ स्पष्ट रूप से समझाया जाना चाहिए। प्रत्येक भाग में प्रयोगों, प्रारूप या गणना के परिणाम को लिखना। इस भाग को बताई गई तालिकाओं और/या आंकड़ों सहित आपकी राय या व्याख्या व्यक्त करने की आवश्यकता नहीं है। (यदि कोई हो) (krutidev010 12)*

A B C

(krutidev010 12, Bold)* **चित्र 1.** Xxxxxxxxx

Gaveshana Template

(krutidev010 12, Bold)* सारणी 1 (यदि कोई हो तो)

(krutidev010 12)*		.....	.....	.....

(krutidev010 12, Bold)* सारणी 2 (यदि कोई हो तो)

विमर्श (उद्धृत सन्दर्भों के साथ) (krutidev010 12, Bold)*

मुख्य पैराग्राफ(krutidev010 12)*

आभार (krutidev010 12, Bold)*

लेखक किसी को विशेष धन्यवाद देना चाहता है। (यदि कोई हो तो) (krutidev010 12)*

In-text citation:

- (मूर्ति, 2019)
- मूर्ति (2019) के अनुसार...

सन्दर्भ (krutidev010 12, Bold) (APA 7th Edition Style) (सन्दर्भ लेखन हेतु सैंपल)*

पुस्तक:

मूर्ति, टी. आर. वी. (2019), *केंद्रीय बौद्ध दर्शनः माध्यमिक प्रस्थान का एक अध्ययन* (अनु. सच्चिदानंद मिश्र), पृ. 123, मोतीलाल बनारसीदास।

पांडेय, रा, एवं मंजू, (1990), *आचार्य नागार्जुन का निःस्वभावता दर्शन*, पृ. 123, ईस्टर्न बुक लिंकर्स।

शोध-पत्रिका:

सिंह, सी., और व्यास, डी. (2023). *फुसैरियम ऑक्सीस्पोरम एफ के खिलाफ चने में प्रतिरोध बढ़ाने के लिए गैनोडर्मा ल्यूसिडम अर्क का उपयोग*, एस.पी. सिसरिस फाइटोपैथोलॉजी और पादप संरक्षण के अभिलेखागार, 1-123।

Gaveshana Template

ग्रंथ सूची:

Bodhi, B. (2007). *A comprehensive manual of Abhidhamma: The Abhidhammattha Sangaha of Ācariya Anuruddha* (A. R. Bomhard, Ed.) pg 123. Charleston Buddhist Fellowship.

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

Yung, E. C., Aitken, J., Biondi, S., & Thorpe, T. A. (1981). Somatic embryogenesis from coffee callus and protoplasts. In *Proceedings of the Sixth International Congress of Plant Tissue and Cell Culture* (p. 123). Minneapolis, MN.

शोध–प्रबंध:

कुमार, दि. (2001). बौद्ध धर्म में चेतना की घटना विज्ञान (प्रकाशित पीएचडी शोध–प्रबंध). पृ. 123 डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर।

ऑनलाइन:

क्ले, आर. (2008). *विज्ञान बनाम विचारधारा: मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के दुरुपयोग के बारे में लड़ते हैं,* फिजियोलॉजी 39 पर मॉनिटरhttps://scholar.google.co.in/scholar?oi=bibs&hl=en&cluster=17238628887801817150/ से लिया गया। (krutidev010 12)*

नोट:

1. कृपया किसी भी प्रश्न के लिए हमें ई–मेल editor.gaveshana@gmail.com पर संपर्क करें।
2. कृपया एमएस वर्ड (2007/2016/2019) और पीडीएफ में फाइल भेजें।
3. *अपना शोध आलेख **krutidev010** अथवा **यूनिकोड (मंगल)** में भेज सकते है

Gaveshana Template